

निष्ठा



✎ Ursula Nafula  
🔗 Vusi Malindi  
📄 Nandanani  
|| 2  
📖 हिन्दी

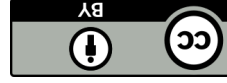
Global Storybooks



globalstorybooks.net

निष्ठा

✎ Ursula Nafula  
🔗 Vusi Malindi  
📄 Nandanani



This work is licensed under a Creative Commons  
Attribution 4.0 International License.  
<https://creativecommons.org/licenses/by/4.0>





मेरे गाँव में बहुत सारी समस्याएँ थीं। हमें नल से पानी लेने के लिए बहुत लंबी लाइन लगानी पड़ती थी।

हमें दूसरों द्वारा दिए गए जीवन का इंतजार करना पड़ता था।





चोरों के कारण हमें अपने घर जल्दी बंद करने पड़ते थे।

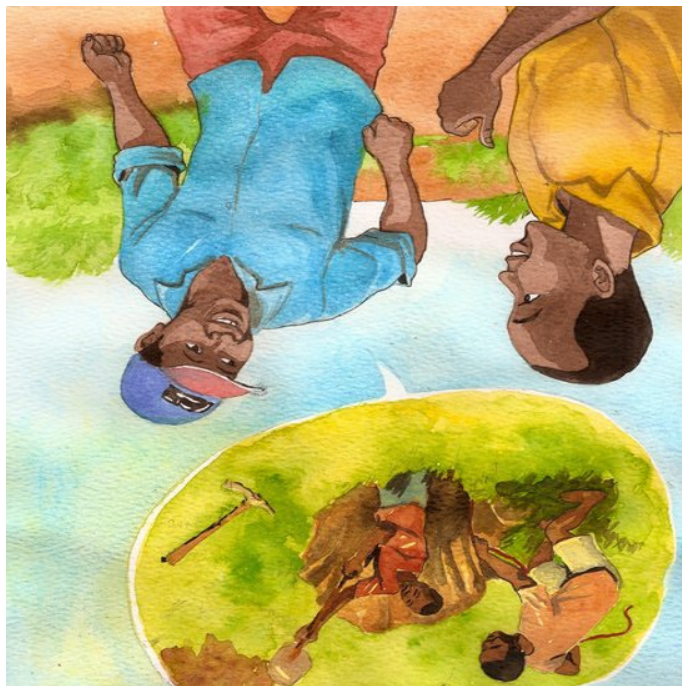


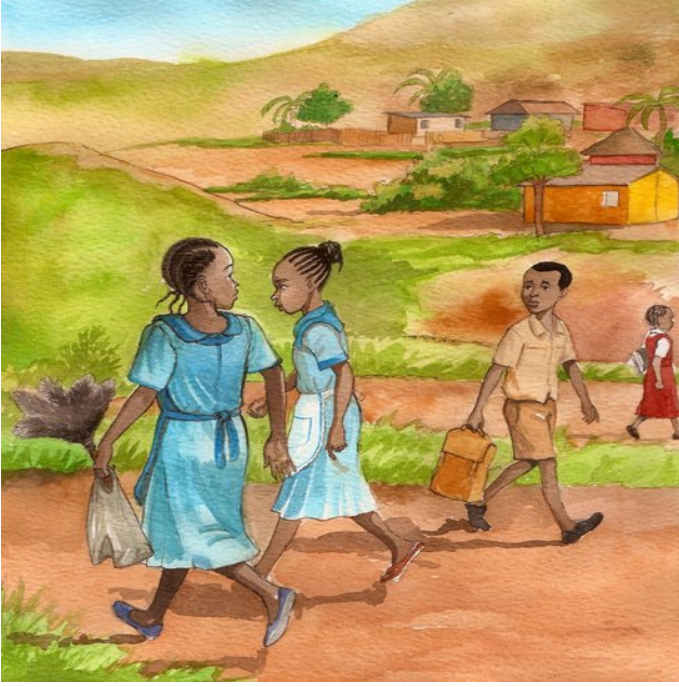
हमने साथ मिलकर एक स्वर में ज़ोर से कहा "हम अपनी ज़िदगी ज़रूर बदलेंगे"। उस दिन से हम अपनी समस्याओं को हल करने के लिए साथ काम करते हैं।

बहुत से बच्चों ने बीच में ही स्कूल छोड़ दिया।



एक और आदमी खड़ा हुआ और बोला "आदमी कुआँ खोले"।



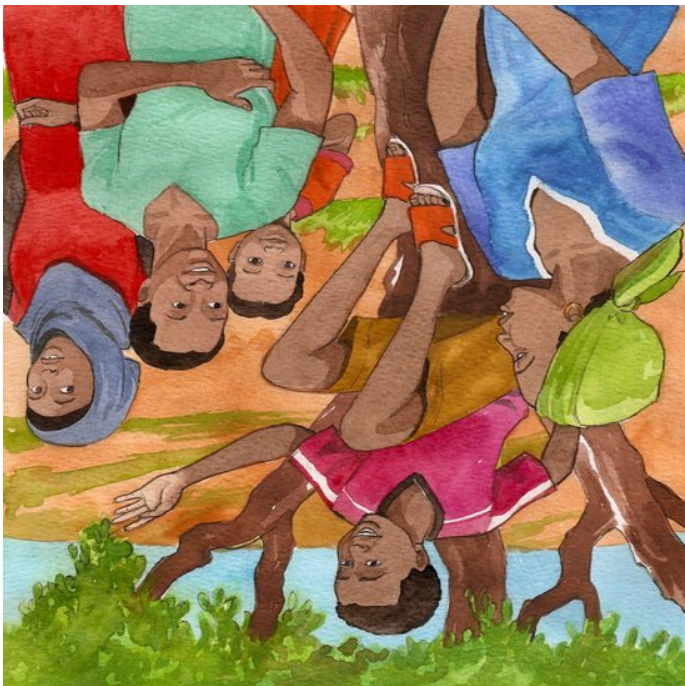


नौजवान लड़कियाँ दूसरे गाँव में नौकरानी का काम करती थीं।



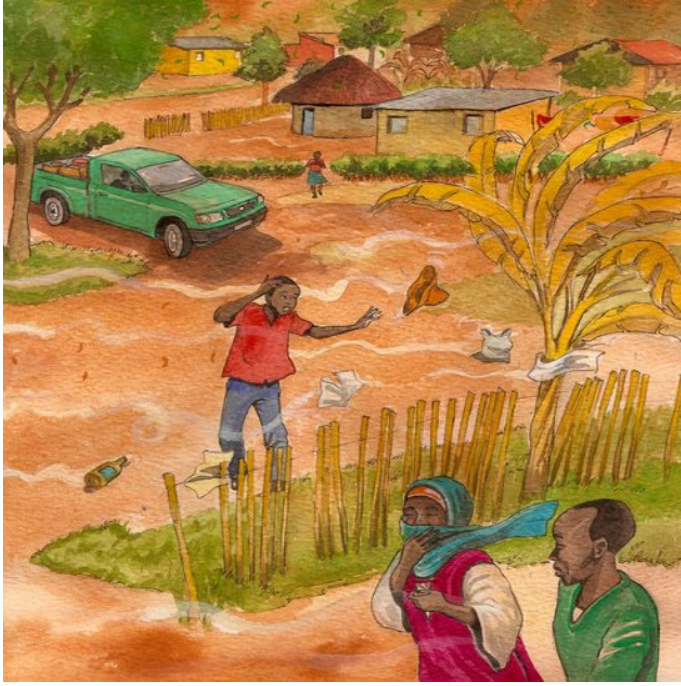
एक महिला ने कहा “महिलाएँ मेरे साथ मिलकर फ़सल उगा सकती हैं”।

पुई की डाली पर बैठा आठ वर्षीय ज़मा  
चिल्लाया "मैं सफाई में मदद कर सकता  
हूँ।"

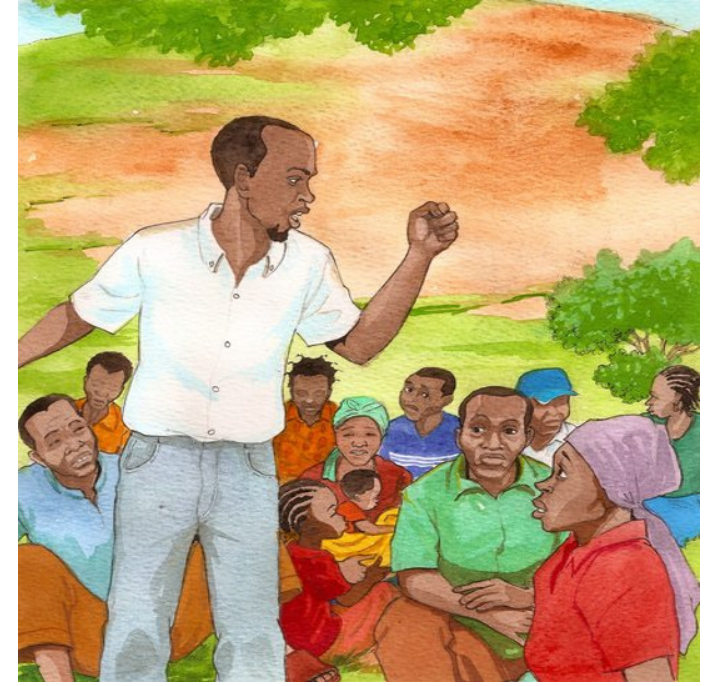


नौजवान लड़के गाँव में घूमते रहते थे  
जबकि बाकी दूसरों के खेतों में काम करते  
थे।





जब हवा चलती तो बेकार पड़े कागज़, पेड़ों  
और बाड़ों से लटक जाते थे।



मेरे पिता ने खड़े होकर कहा "हमारी  
समस्याओं को सुलझाने के लिए हमें साथ  
मिलकर काम करना होगा"।



लगाएवाही से फूँके गए कौच के टुकड़ों से  
 ही बनाई जाते थे।



एक बड़े पेड़ के नीचे लोग डकड़ें और  
 उन्हीं से बना।





फिर एक दिन, नल सूख गये और हमारे बर्तन खाली रह गए।



मेरे पिता ने घर-घर जाकर लोगों से विनिती की कि वे गाँव की बैठक में आएँ।